# भारत के साथ इंडियाना यूनिवर्सिटी के पुराने संबंधों को मजबूती देना

आईयू के भारतीय कार्यालय का भव्य उद्घाटन

प्रेज़ीडेंट, इंडियाना यूनिवर्सिटी

आईयू भारतीय कार्यालय

माइकेल ए. मैक्रोब्बी के उद्गार

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडियन स्टडीज़

गुड़गाँव, भारत

गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2014

भारत में वापिस आना और इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारतीय कार्यालय के भव्य उद्घाटन का समारोह करना, हमारे लिए बेहद प्रसन्नता का विषय है–यह एक ऐसा केंद्र है जो दो देशों के बीच पहले से मजबूत रिश्तों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

इंडियाना यूनिवर्सिटी की ओर से, मैं आप सभी की उपस्थिति के लिए आपका आभार प्रकट करता हूँ।

पुराने परिचितों के साथ दोबारा जुड़ने और नये सहकर्मियों और दोस्तों से मिलने का यह मौका बेहद खुशी की बात है।

मैं भारत में अमेरिकी दूतावास के डिप्टी चीफ़ ऑफ़ मिशन, माइकेल पेलेटियर को उनकी उपस्थिति और यहाँ व्यक्त उनके विनम्र विचारों के लिए, उन्हें अपना हार्दिक आभार देना चाहता हूँ।

मैं ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफ़ेसर सी. राज कुमार का भी उनकी उपस्थिति और उनके विचारों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। हमें पूरी उम्मीद है कि ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के साथ हमारी अटूट भागीदारी जारी रहेगी और आगे भी बढ़ेगी।

मैं माननीय सांसद महोदय, श्री दीपेंद्र हुड्डा का भी उनकी उपस्थिति और उनके विचारों के लिए आभार प्रकट करना चाहता हूँ। सांसद हुड्डा आईयू के कैली स्कूल ऑफ़ बिजनेस के बेहतरीन छात्र रहे हैं जहाँ से उन्होंने अपनी एमबीए की डिग्री हासिल की। अमेरिका में काम का अनुभव हासिल करने के बाद, वह राजनीतिक प्रक्रिया में ऊर्जस्वी तरीके से शामिल होकर इस देश की बढ़ती जरूरतों में योगदान देने के लिए भारत वापिस आ गए। इंडियाना यूनिवर्सिटी को उनकी उपलब्धियों और उन्हें अपना पूर्व-छात्र कहते हुए गर्व महसूस होता है।

मैं इंडियाना यूनिवर्सिटी की ओर से अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडियन स्टडीज़ की डायरेक्टर जनरल, कु. पूर्णिमा मेहता को भी उनके और उनके सहकर्मियों के उस निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ जिससे इंडियाना यूनिवर्सिटी का भारतीय कार्यालय स्थापित करने में हमें मदद मिली। हमें बेहद खुशी है कि यह कार्यालय इंस्टीट्यूट के गुड़गाँव परिसर में स्थित है और यह कि आईयू और इंस्टीट्यूट ने एक बेहतरीन कामकाजी रिश्ता कायम कर लिया है।

मुझे पिछले साल सितंबर महीने में ब्लूमिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय शास्त्रीय संगीतकार उस्ताद अमज़द अली खान से मिलकर और उनकी शानदार प्रस्तुति सुनकर बेहद खुशी हुई थी जब उन्होंने आईयू के नये स्कूल ऑफ़ ग्लोबल एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ में पहले आर्टिस्ट इन रेज़ीडेंस के तौर पर प्रस्तुति दी। मुझे मालूम है कि कार्यक्रम में आगे, हम सभी उनके बेटे अयान अली खान का सरोद वादन सुनने के लिए काफी उत्सुक हैं।

## इंडियाना यूनिवर्सिटी और भारत

इंडियाना यूनिवर्सिटी और इस विविधता-भरे देश के बीच में काफी गहरे रिश्ते हैं जिन पर हमें अत्यंत गर्व है।

आईयू से पास होने वाला पहला भारतीय छात्र कोनिगापोगू जोसेफ़ देवदनम था जिसने वर्ष 1930 में मनोविज्ञान में अंडरग्रेजुएट डिग्री प्राप्त की थी।

अगस्त 1948 में, आईयू के प्रसिद्ध 11वें प्रेज़ीडेंट, हर्मन बी वेल्स ने आईयू के भारतीय छात्रों, ब्लूमिंगटन परिसर और समुदाय के लगभग 200 लोगों के साथ मिलकर भारत की स्वतंत्रता के पहले वर्ष का समारोह मनाया था।

उसी समय से, आईयू ने धार इंडिया स्टडीज़ प्रोग्राम स्थापित किया जो पूरी तरह इंडिया स्टडीज़ पर केंद्रित अमेरिका के केवल कुछ प्रोग्रामों में से एक है। आप इस विश्व-स्तरीय प्रोग्राम के डायरेक्टर, प्रोफ़ेसर माइकेल डॉडसन से पहले ही मिल चुके हैं जो आईयू के भारतीय कार्यालय में एकेडमिक डायरेक्टर के तौर पर भी काम करते हैं। धार इंडिया स्टडीज़ प्रोग्राम के फैकल्टी सदस्य, भारत के इतिहास और संस्कृति के व्यापक पहलुओं पर शोध और अध्यापन कार्य में लगे हुए हैं जिसमें समसामयिक राजनीति, कानून, साहित्य, व्यवसाय और भी कई विषय शामिल हैं। हमारे अध्यापक अंडरग्रेजुएट और ग्रेजुएट छात्रों को हिन्दी, उर्दू, बंगाली और संस्कृत में गहन भाषा निर्देश भी देते हैं।

यह इंडिया स्टडीज़ प्रोग्राम अब हमारे नये स्कूल ऑफ़ ग्लोबल एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ का हिस्सा है जिसमें संयोग से 70 से अधिक विदेशी भाषाएँ पढ़ाई जाती हैं–जो अमेरिका में किसी भी दूसरी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं से ज़्यादा हैं।

अभी हाल ही में, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के अलावा, आईयू ने भारत में कुछ अग्रणी शैक्षिक संस्थाओं से भी मजबूत सहयोग स्थापित किया है जिनमें हैदराबाद विश्वविद्यालय, सिम्बोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट लखनऊ, आईआईएम शिलोंग, और एलीट स्कूल ऑफ ऑप्टोमेट्री शामिल हैं। इन सहयोगों और आदान-प्रदान कार्यक्रमों–जैसा कि भारत में हमारे सभी कामों में होता है–की गहरी जड़ें समानतापूर्ण सहयोग की भावना में मौजूद हैं और उनसे आईयू और अमेरिका के साथ-साथ भारत और यहाँ के हमारे सहयोगी संस्थानों को भी लाभ मिलता है।

भारत ऐसे टॉप 10 देशों में भी शामिल हैं जहाँ आईयू के छात्र विदेश में सबसे अधिक अध्ययन करते हैं।

इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारत में विदेश अध्ययन कार्यक्रमों का एक उदाहरण हमारे उच्च रैंकिंग प्राप्त कैली स्कूल ऑफ बिजनेस में देखा जा सकता है जो प्रत्येक वर्ष ऑनर्स के छात्रों का एक समूह भारत लाता है ताकि वे सरकारी और व्यावसायिक अधिकारियों से मिल सकें और इस देश की व्यापक सांस्कृतिक विरासत को समझ सकें। संयोग से, ये छात्र आईयू के नये इंडिया गेटवे ऑफ़िस में ही यहीं मिलते हैं।

अपने ग्लोबल बिजनेस एंड सोशल इंटरप्राइज़ (ग्लोबेस) प्रयास के माध्यम से, कैली स्कूल द्वारा एमबीए छात्रों को हिमाचल प्रदेश भी लाया जाता है जहाँ वे गैर-लाभकारी संगठन चिन्मया ऑर्गेनाइजेशन फॉर रूरल डेवलेपमेंट के माइक्रो-फाइनेंस, हस्तशिल्प निर्माताओं की मदद करने और प्राकृतिक ऑर्गेनिक खेती को प्रोत्साहन देने के प्रयासों में सहायता करते हुए उसके लिए काम काम करते हैं।

इंडियाना यूनिवर्सिटी में हमारा मानना है कि विदेश में अध्ययन और काम करना 21वीं सदी की शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसका मकसद हमारे छात्रों को एक समानतापूर्ण दुनिया में रहने और काम करने के लिए तैयार करना है। हमें गर्व है कि हमारे ब्लूमिंगटन परिसर को विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के लिहाज से अमेरिका में पांचवी रैंकिंग–1,200 से अधिक यूनिवर्सिटी में से–हासिल हुई है।

ब्लूमिंगटन परिसर को नामांकित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या के लिहाज से भी अमेरिका में 10वीं रैंकिंग मिली है।

हमारे पास आईयू में पिछले साल 8,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे। इनमें से 1,000 से अधिक छात्र भारत से थे और इंडियाना यूनिवर्सिटी के जीवन का एक बेहद अहम हिस्सा हैं। यहाँ लगभग 4,300 आईयू एल्यूमिनी भी हैं जो भारत से संबंधित हैं और यकीनन, हमने अपने परिसरों में आने वाले सैकड़ों भारतीय विद्वानों, गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का स्वागत भी किया है।

## भारत में इंडियाना यूनिवर्सिटी का प्रवेशद्वार

भारत और इंडियाना यूनिवर्सिटी के बीच के इन सभी गहरे रिश्तों को देखते हुए, यह उपयुक्त था कि हम आईयू का भारतीय कार्यालय स्थापित करें जिससे हमें अपने भारतीय छात्रों, हमारे कई भारतीय पूर्व-छात्रों और भारत में पढ़ने वाले हमारे अमेरिकी छात्रों के लिए अधिक कुशलता से काम करने में मदद मिलेगी।

आईयू का भारतीय कार्यालय, सबसे प्रमुख रूप से भारतीय विश्वविद्यालयों, व्यवसायों और अन्य संस्थानों के साथ-साथ भारत के नेतृत्वकारी सामाजिक व सांस्कृतिक व्यक्तियों के साथ परस्पर लाभकारी सहयोग की भावना से काम करने की इंडियाना यूनिवर्सिटी की इच्छा का प्रतीक है। भारत में आईयू की उपस्थिति भारत के बारे में इसके ही संदर्भ के साथ सीखने और एक आदान-प्रदान शुरू करने की हमारी इच्छा का संकेत है जिससे भारत और इंडियाना यूनिवर्सिटी दोनों का फायदा पहुंचेगा और भारत व अमेरिका के बीच के संपर्क को और मजबूती मिलेगी।

आईयू का भारतीय कार्यालय, इंडियाना यूनिवर्सिटी के ग्लोबल गेटवे नेटवर्क के हिस्से के तौर पर खुलने वाला *पहला* कार्यालय था। आईयू ब्लूमिंगटन की प्रोवॉस्ट लॉरेन रोबेल पिछले साल यहाँ मौजूद थीं जब कार्यालय को पहली बार खोला गया था। उसके बाद इसमें नवीनीकरण का काम हुआ और आज हम नये पुनर्निर्मित कार्यालय के औपचारिक लोकार्पण का समारोह मना रहे हैं।

इस साल में पहले, हमने बीजिंग, चीन में आईयू के दूसरा गेटवे ऑफ़िस का उद्घाटन किया और हम मध्य-पूर्व, यूरोप, लातिन अमेरिका, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में कार्यालय खोलने की संभावनाएँ तलाश रहे हैं।

यह तथ्य कि भारतीय कार्यालय, इंडियाना यूनिवर्सिटी का पहले गेटवे ऑफ़िस है, 21वीं सदी में एक देश के तौर पर भारत के महत्व का संकेत है और इंडियाना यूनिवर्सिटी के इस विश्वास का प्रमाण है कि इस आधुनिक समय में यह पूरी तरह से जरूरी है कि हमारे सभी छात्रों की शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय तत्व शामिल हों।

यह कार्यालय अब भारत में आईयू की गतिविधियों के एक शानदार घरेलू केंद्र के तौर पर काम करता है। यह विद्वतापूर्ण शोध और अध्यापन, सम्मेलन व कार्यशालाओं, विदेश अध्ययन कार्यक्रमों, डिस्टेंस लर्निंग प्रयासों, एक्ज़ीक्यूटिव व कॉरपोरेट ट्रेनिंग, एल्यूमिनी आयोजनों और भी कई-कई उद्देश्यों को सहयोग प्रदान करेगा।

आज सुबह ही, कार्यालय ने "भारत की दस्तावेज़ी और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना" पर एक कार्यशाला आयोजित की जिसे सेंट्रल यूरेशियन स्टडीज़ की आईयू प्रोफ़ेसर रॉन सेला ने कराया। यह कार्यशाला इस बात का शानदार उदाहरण है कि किस तरह आईयू का भारतीय कार्यालय, उपयोगी और परस्पर लाभकारी बातचीत और सहयोग के लिए इंडियाना यूनिवर्सिटी के अध्यापकों और सहकर्मियों को भारत में एकसाथ ला सकता है।

आईयू के भारतीय कार्यालय द्वारा आईयू के अध्यापकों और छात्रों को भारत में मौजूद अवसरों तक अधिक पहुंच प्रदान की जाएगी और साथ ही इससे हमारे भारत स्थित छात्रों, पूर्व-छात्रों और विश्वविद्यालय सहयोगियों को आईयू के साथ सीधे जुड़ने का मौका भी मिलेगा।

## औपचारिक उद्घाटन

अब हम आज के आयोजन के मुख्य हिस्से की ओर आते हैं यानी इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारतीय कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन और लोकार्पण।

दोस्तों व साथियो: इंडियाना यूनिवर्सिटी के ट्रस्टियों द्वारा मुझे सौंपे गये अधिकारों के कारण, मैं इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारतीय गेटवे ऑफ़िस को खोलने की औपचारिक घोषणा करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ।

हमारी इच्छा है कि सभी यहाँ सीखने, सिखाने, शोध करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समझ की उस भावना के साथ मिलजुलकर काम करने के लिए आयें जिस भावना को आईयू का भारतीय कार्यालय व्यक्त करता है।

मैं आपको आमंत्रित करता हूँ कि जब मैं आईयू के भारतीय कार्यालय की स्थापना की स्मृति के तौर पर प्लैक का अनावरण करूँ तो आप सभी जोरदार तालियों के साथ कार्यालय स्थापना के इस जश्न में मेरा साथ दें।

समापन वक्तव्य

मैं आप सभी का फिर से धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने आईयू का ग्लोबल गेटवे ऑफ़िस स्थापित करने के लिए इतनी कड़ी मेहनत की जिसका आज हमने औपचारिक तौर पर उद्घाटन और लोर्कापण किया है।

और हमारे सभी विशिष्ट अतिथियों और वक्ताओं को हम बेहद आभार के साथ धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस मौके को एक यादगार अवसर बना दिया।

और मैं सराहना करना चाहता हूँ इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारतीय कार्यालय की ऑफ़िस कोऑर्डिनेटर कु. शालिनी चौबे, इंटरनेशनल गेटवे ऑफ़िस के इंडियाना यूनिवर्सिटी डायरेक्टर, एलेक्जेंडर बेटन और इंटरनेशनल अफ़ेयर्स के वाइस-प्रेज़ीडेंट ऑफ़िस की चीफ़ ऑफ़ स्टाफ़, मारग्रेट की के लिए, जिन्होंने आज का आयोजन सफल बनाने के लिए शानदार कोशिशें कीं।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और जुड़ाव की इंडियाना यूनिवर्सिटी की महान परंपरा में भारत एक अहम हिस्सा है और हमें भारत के बीचोंबीच इस शानदार ऑफ़िस की वजह से काफी खुशी महसूस हो रही है।

"धन्यवाद" और "शुक्रिया"